भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 060833

विक्रय विलेख

विलेख का प्रकार	—	बैनामा
भूमि का प्रकार	—	कृषि
परगना	—	अठगॉवा
ग्राम	—	घनेसरी
सम्पत्ति का न0	—	आराजी न0 194
सम्पत्ति का क्षेत्रफल	—	0.061 हे0
सड़क की स्थिति	—	नहीं
निर्माण की स्थिति	—	नहीं
सरकारी मालियत	—	11,00,000/-- रू0
लेनदेन	—	8,00,000/-- रू0

चौहद्दी --

पूरब -- आराजी न0 197

पश्चिम-- चहार दिवारी प्राईमरी पाठशाला।

उत्तर -- पंचकोशी हरहुआ मार्ग।

दक्षिण-- आराजी देवीशंकर वगैरह।

सर्वजीत व जगदीश पुत्रगण स्व0 काशीनाथ निवासीगण मौजा हरहुआ डीह परगना अठगॉवा तहसील पिण्डरा जिला वाराणसी ------प्रथम पक्ष/विक्रेतागण

एवं

कृपाशंकर दूबे पुत्र स्व0 अमृताकर दूबे निवासी मकान न0 S--8/217,सुधाकर रोड खजुरी वाराणसी------------------------------द्वितीय पक्ष/क्रेता

5012
श्रावण
कृपाकर दूबे
सुधाकर रोड
खजुरी
5000

पी.8

800000/-
मालियत 1100000/-

नि.शु. शब्द लगभग नकलत कुल शु योग नि.शु.
10000 1000 20- 10020-
इस लेखपत्र को श्री सर्वजीत सिंह
पुत्र/पत्नी श्री काशीनाथ
निवासी हुकुलगंज, परगना अजगरा
तहसील पिण्डरा जिला वाराणसी ने कार्यालय
उपनिबन्धक पिण्डरा-वाराणसी में आज दि. 12-9-12
समय मध्य 4 व 5 बजे दिन के
प्रस्तुत किया।

सर्वजीत सिंह

उपनिबन्धक
12-9-12

इस लेखपत्र के निष्पादन का सुन व सुनकर के एवं
जो राशि अंकित 800000/- प्रतिफल
प्राप्त करके श्री सर्वजीत व जगदीश स्वामी प्र०पक्ष व
कृपाकर दूबे पुत्र अमृताकर दूबे नि० सुधाकर रोड खजुरी वाराणसी
द्वि०पक्ष

जिनकी पहचान श्री रामकृष्ण प्रजापति
पुत्र श्री बैजनाथ पेशा खेती
निवासी सिंहापुर प० अजगरा वाराणसी
व श्री विजय शंकर सिंह एड० पिण्डरा वाराणसी
पेशा

ने की।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
पिण्डरा, वाराणसी 12-9-12

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 060834

C 060834

(2)

विदित हो कि आराजी हराब तफरील जैलमय चौहद्दी मिल्कियत काश्तकारी भूमिधरी हम मिनमुकिर प्रथम पक्ष है। जिस पर प्रथम पक्ष बहैसियत मालिक काबिज दखिल चले आ रहे है। हरगिज कोई अन्य दीगर व्यक्ति सरीक सहीम व हिस्सेदार नही हैं। प्रथम पक्ष को तमामी हक बाबत मुन्तकिली निश्वत जायदाद गुन्दर्जा जैल का हासिल हैं। इसमें किसी अन्य दीगर व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई उज्र व एतराज करने का हक हासिल नही हैं और न कानूनन हो सकता हैं। प्रथम पक्ष को इस समय रूपयों की सख्त आवश्यकता वास्ते करने रोजगार व अन्य दीगर कार्य के दरपेश है विला बय किये किसी जायदाद गैर मनकूला के रूपयो का मिलना व जरूरत वाला का रफा होना गैर गुमकिन है। पस प्रथम पक्ष ने आराजी हसब तफसील जैल के विक्रय की बातचीत चन्द लोगो से किया व करवाया जिस पर द्वितीय पक्ष आराजी हसब तफसील जैल को मु0 8,00,000/– रूपयें में कय करने को तैयार व अमादा हैं। कीमत बहुत ही जायज व गुनासिब तथा मुताबिक बाजार भाव व बलेहाज मौका के है इससे ज्यादा किमत अन्य कोई दिगर सख्स देने के तैयार नही है। जो प्रथम पक्ष को कबूल व मन्जूर हैं। पस प्रथम पक्ष बखुशी व रजामन्दी बदुरूस्ती होश व हवाश बसेहत जात व सेवात अक्लबिला किसी जोर दबाव नाजायज के प्रसन्नता पूर्वक यह बैनामा हाजा बहक व बदस्त द्वितीय पक्ष क्रेता भजकूर तहरीर व तकमील कर के पाबन्द शरायत जैल के होते है।

1–यह कि कुल तय शुदा कीमत मु0 8,00,000/– रूपया (आठ लाख रूपया) आज प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष से समक्ष गवाहान सुरक्षा की दृष्टि से घर पर ही नकद प्राप्त कर लिया है अब एक भी रूपया प्रथम पक्ष का जिम्मे द्वितीय पक्ष बाकी नही रह गया है।

2–यह कि प्रथम पक्ष ने आज की तारीख से आराजी विक्रय शुदा से अपना कब्जा दखल मालिकाना वाकई हटाकर उस पर कब्जा दखल मालिकाना द्वितीय पक्ष का करा दिया। द्वितीय पक्ष आज की तारीख से आराजी विक्रय शुदा का पूर्ण स्वामी हो गया। अब वह चाहें जिस प्रकार से आराजी विक्रय शुदा का उपयोग व उपभोग करें इसमें

5011

कृपाकर

सुधाकर राय

5000/-

VNS.

उपरोक्त साक्षीगण जो भले प्रतीत होते है।
जिनके निशानी अँगूठा विधिवत लिये गये है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
पिण्डरा वाराणसी

12-9-12

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु. 25000 पच्चीस हजार रुपये

Rs. 25000 TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 648459

25 AUG 2012

वाराणसी

प्रथम पक्ष व वारिसान प्रथम पक्ष कोई उज्र व एतराज नही हैं और न आइन्दा भविष्य में होगा।

3-- यह कि आराजी विक्रय शुदा विल्कुल पाक साफ बेखलिस है कहीं रेहन सट्टा अथवा जेर जमानत आदि में नही दी गयी हैं बिल्कुल पाक साफ हालत में द्वितीय पक्ष के हक में बय की जा रही है।

4--यह कि यदि किसी कानूनी नुक्स मिल्कियत प्रथम पक्ष की वजह से आराजी विक्रय शुदा का कुल या जुज हिस्सा द्वितीय पक्ष के कब्जा दखल से निकल जावें तो उस सूरत में द्वितीय पक्ष को यह हक व अधिकार हासिल होगा कि अपना कुल रुपया मय हर्जा खर्चा व खेसारा मय बैनामा स्टाम्प सहित प्रथम पक्ष की जात व जायदाद से मय शूद कानूनी वसूल कर लेवे इसमे प्रथम पक्ष व वारिसान प्रथम पक्ष को कोई उज्र व ऐतराज नही हैं और न आइन्दा भविष्य में होगा।

5--यह कि आज की तारीख से द्वितीय पक्ष को यह हक व अधिकार हासिल होगा कि वह दरख्वास्त दाखिल खारिज की दे कर कागजात सरकारी में जहॉं--जहॉं आवश्यक समझें वजाय नाम प्रथम पक्ष अपना नाम दर्ज कागजात सरकारी करा लेवे एवं लगान आदि सरकार को देकर उसकी रसीद अपने नाम से हासिल किया करें इसमें प्रथम पक्ष व वारिसान प्रथम पक्ष को कोई उज्र व एतराज नही है और न आईन्दा होगा ।

6--यह कि उपरोक्त वर्णित सभी तथ्यों को हम पक्ष ने बखूबी पढ़ व पढ़वाकर सुन व समझबूझ कर तथा इसके हर कानूनी असरात से बखूबी वाकिफ होकर तहरीर किया है जिसकी हर आईना पाबन्दी प्रथम पक्ष व वारिसान प्रथम पक्ष पर है और आइन्दा भी रहेगी।

इस वास्ते यह चन्द कलमा बतरीक बैनामा लाकलामी के तहरीर कर दिया कि सनद रहें और वक्त जरूरत पर काम आवें।

जगदीश मिश्रा

सर्वेश तामिश्रा

3482

2007

कृपाल दूबे

- 24421

270500

C ... VNS.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

V 854157

(4)

<u>तफसील आराजी बिक्रय शुदा</u>

आराजी न0 194 रकबा 0.061 सम्पूर्ण हे0 बय किया जा रहा है आराजी स्थित मौजा धनेसरी परगना अठगॉवा तहसील मिण्डरा जिला वाराणसी

नोटः–विक्रय शुदा आराजी आवास विकास सीमा के बाहर एवं विकास प्राधिकरण सीमा के अन्दर स्थित कृषि भूमि हैं और कृषि कार्य के लिए कय की जा रही है। विक्रित आराजी के 200 मीटर की त्रिज्या में कृषि कार्य होता है। आराजी किसी भी आबादी से 200 मीटर से भी अधिक दुरी पर स्थित है। विक्रित आराजी वाराणसी जौनपुर राजमार्ग से 1 किलोमीटर से भी अधिक दुरी पर स्थित है। विक्रित आराजी पंचकोशी से हरहुआ चिन्हित मार्ग पर स्थित है। विक्रित आराजी में विक्रेतागण एवं क्रेता अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्य नही है। आराजी विक्रय शुदा में पेड़ कूआ व नलकूप नही हैं । आराजी विक्रय शुदा का बैनामा मु0 8,00,000/– में हो रहा हैं परन्तु स्टाम्प मुताबिक रेट सरकारी मुबलिग 15000/– प्रति 0.001 हे0 की दर से सरकारी मालियत मुबलिग 9,15,000/– रू0 होता है परन्तु आराजी चिन्हित मार्ग पर होने की दशा में मालियत में मु0 20 प्रतिशत की अभिबृद्धि पर मालियत मु0 1,83,000/– रू0 होता है इस प्रकार सम्पूर्ण सरकारी मालियत मु0 11,00,000/– रू0 पर 70 रू0 प्रति हजार की दर से 77,000/– रू0 का नियमानुसार स्टाम्प शुल्क अदा किया जा रहा है। विक्रेता एवं क्रेता भारतीय नागरिक हैं।

आकांक्षा मिश्रा

6816

1000/ 27-7-18

29/11/9/2018

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

V 854170

(5)

गवाह नं0 1

गवाह नं0 2

दस्तावेज लेखक विजय शंकर सिंह व0 न0

तहसील पिण्डरा वाराणसी

तहरीर तारीख– 12/09/2012 ई0

जगदीश मिश्रा

6726

दि० 29/11/2018

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये TEN RUPEES

रु.10 Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

60AB 964334

नक्शा नजरी

आराजी न0 194 रकबा 0.061 सम्पूर्ण हे0 बय किया जा रहा है आराजी स्थित मौजा धनेसरी परगना अठगॉवा तहसील पिण्डरा जिला वाराणसी जिसको नक्शे में लाल तिरछी लकिरो द्वारा दर्शाया गया है जिसकी चतुर्दिक सीमाए निम्नलिखित है

नोट 200 मीटर की त्रिज्या में कृषि कार्य होता है।

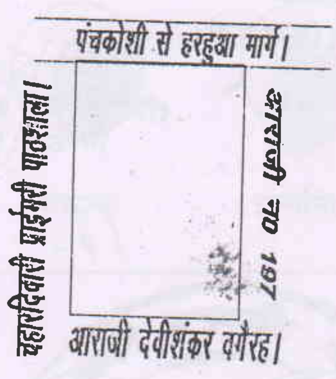

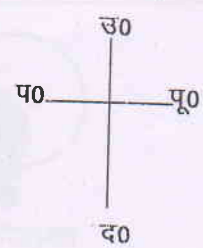

क्रमांक 3617

स्टाम्प विक्रय की तिथि 12/9/12

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पता ....

....

स्टाम्प की धनराशि 10

स्टाम्प विक्रेता का नाम- इन्द्र भूषण सिंह

लाइसेंस नम्बर- 251

लाइसेंस अवधि-1-4-12से31-3-2013

अधिकृत विक्रय करने का स्थान एवं पता

उप निबन्धक कार्यालय पिण्डरा-वाराणसी

आज दिनांक 12-9-12 को फोटो स्टेट प्रति,

बही सं. I खण्ड 1815

के पृष्ठ 335/348 पर क्रम सं. 2949

पर रजिस्ट्रीकरण किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

पिण्डरा, वाराणसी

14-2-13

जिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा (१) के अन्तर्गत निष्पादनकर्ताओं की अंगुलियों के
...िह

निष्पादनकर्ता/विक्रेता/क्रेता

हिने हाथ

अंगुष्ठका तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठका

बायें हाथ

अंगुष्ठका तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठका

हस्ताक्षर

नाम निष्पादनकर्ता/विक्रेता/क्रेता

दाहिने हाथ

अंगुष्ठका तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठका

बायें हाथ

अगुष्ठका तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठका

हस्ताक्षर